vinetur

इतालवी वाइन उत्पादकों ने भंडार 4.1 करोड़ हेक्टोलिटर पहुंचने के बाद नए दाखबागान लगाने पर रोक लगाने की मांग की

पीडमोंट के सम्मेलन में उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि वैश्विक वाइन खपत में 12% की गिरावट से कीमतों और मुनाफे पर दबाव बढ़ रहा है

शुक्रवार, 20 नवंबर 2026



पीडमोंट में वाइन उत्पादकों, अर्थशास्त्रियों और क्षेत्रीय अधिकारियों ने गुरुवार, 19 नवंबर को कहा कि खपत घटने और भंडार बढ़ने के बीच इटली का वाइन क्षेत्र आपूर्ति और मांग के बीच बढ़ती खाई का सामना कर रहा है। इसके चलते नए दाखबागान लगाने पर सख्त नियंत्रण और बाजार प्रबंधन के अन्य उपायों की मांग उठी है।

यह चर्चा ग्रिन्ज़ाने कावूर के किले में Confagricoltura Cuneo द्वारा वाइन बाजार, स्वास्थ्य और क्षेत्र के बदलते परिदृश्य पर आयोजित सम्मेलन के दौरान हुई। वक्ताओं ने कहा कि वैश्विक मांग में कमजोरी, उत्पादन लागत में वृद्धि और कीमतों में नरमी से दबाव बढ़ रहा है, हालांकि कुछ निर्यात बाजार अब भी मजबूत बने हुए हैं।

Confagricoltura के राष्ट्रीय वाइन महासंघ के मुताबिक, 30 सितंबर को इटली में वाइन का भंडार 4.1 करोड़ हेक्टोलिटर था, जबकि एक साल पहले यह 3.6 करोड़ हेक्टोलिटर था। इस बढ़ोतरी से उद्योग जगत में यह चिंता तेज हुई है कि अतिरिक्त आपूर्ति से मुनाफे पर और दबाव पड़ सकता है और पैदावार, नए दाखबागानों तथा आपातकालीन बाजार उपायों को लेकर कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। व्यापक पेय कारोबार के लिए भंडार का यह बढ़ना अहम है, क्योंकि वाइन की कीमतों और मुनाफे पर लंबे समय तक दबाव रहने से निवेश, प्रचार पर खर्च और उत्पादों के मिश्रण पर असर पड़ सकता है—खासकर तब, जब इस श्रेणी के भीतर मांग का रुझान बदल रहा है।

Confagricoltura Cuneo और पीडमोंट के अध्यक्ष Enrico Allasia ने कहा कि बढ़ते भंडार, खेती की बढ़ती लागत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की अनिश्चितता से वाइन जगत दबाव में है। यह चिंता पूरे इटली या पीडमोंट के हर हिस्से में एक जैसी नहीं है ; निर्यात प्रदर्शन और कीमतें अलग-अलग क्षेत्रों तथा अपीलेशनों में भिन्न हैं। फिर भी, बाजार के समग्र रुझान को नजरअंदाज करना अब कठिन हो गया है।

Confagricoltura Piemonte के वाइन विभाग के प्रमुख Gian Luca Demaria ने कहा कि पीडमोंट में 44,961 हेक्टेयर दाखबागान हैं, जिनमें से 42,786 हेक्टेयर, यानी 95%, DOC और DOCG वाइन के लिए हैं। 2025 में क्षेत्र का उत्पादन लगभग 2.1 million hectoliters रहा। साथ ही, इस क्षेत्र की संरचना में बड़ा बदलाव आया है। 2010 से 2025 के बीच पीडमोंट में वाइन उत्पादन करने वाले व्यवसायों की संख्या 19,229 से घटकर 11,153 रह गई—42% की गिरावट। कुनेओ में दाखबागानों का क्षेत्रफल बढ़ा, जबकि आस्ती और अलेस्सांद्रिया में यह घटा। प्रमुख उत्पादक प्रांतों में जमीन का स्वामित्व भी कम कंपनियों के हाथों में अधिक केंद्रित हो गया है।

Demaria ने नए रोपण की अनुमति रोकने और जरूरत वाले क्षेत्रों में ग्रीन हार्वेस्टिंग अपनाने की वकालत की। उन्होंने यह भी कहा कि अब आर्थिक रूप से टिकाऊ न रह गए दाखबागानों को स्वेच्छा से हटाने के किसी भी कदम पर सावधानी से विचार किया जाना चाहिए। उनकी बात बैठक के व्यापक संदेश को दर्शाती है : उत्पादक उत्पादन को कमजोर मांग के अनुरूप ढालने के उपाय चाहते हैं, लेकिन कई लोग बहुत जल्द या व्यापक स्तर पर कठोर कदम उठाने को लेकर सतर्क हैं।

Nomisma के Wine Monitor के प्रमुख Denis Pantini ने खपत में सुस्ती का पैमाना दिखाने वाले आंकड़े पेश किए। पिछले 20 वर्षों में वैश्विक वाइन खपत 12% घटी है और लगभग 250 million hectoliters से गिरकर 210 million hectoliters से नीचे आ गई है। इटली में खपत 2021 के 24.2 million hectoliters से घटकर 2025 में 20.2 million hectoliters रह गई। Pantini ने कहा कि वाइन पीने की आवृत्ति घट रही है और औसत उपभोक्ता की उम्र बढ़ रही है। इस गिरावट का असर खास तौर पर रेड स्टिल वाइन पर पड़ा है, जबकि स्पार्कलिंग वाइन की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी है।

व्यापार के आंकड़ों में भी यह बदलाव दिखता है। 2026 की पहली छमाही में पीडमोंट ने 567 million euros मूल्य की वाइन का निर्यात किया, जो एक साल पहले की तुलना में 2.3% अधिक था। लेकिन क्षेत्र की रेड PDO वाइन के निर्यात में मात्रा की वृद्धि, निर्यात मूल्य की वृद्धि से तेज रही। इससे प्रति इकाई औसत आमदनी घटने का संकेत मिलता है। उत्पादकों के सामने यह परिचित समस्या है : खेपों की मात्रा बढ़ती रह सकती है, जबकि प्रति बोतल कमाई पर दबाव पड़ सकता है।

कई वक्ताओं ने कमजोर मांग से निपटने के लिए सरकारों की प्रतिक्रिया के उदाहरण के तौर पर फ्रांस का जिक्र किया। फ्रांसीसी वाइन उत्पादक और Copa-Cogeca के वाइन कार्यसमूह के उपाध्यक्ष Ludovic Roux ने कहा कि फ्रांस ने बोर्दो क्षेत्र में 10,000 हेक्टेयर दाखबागान हटाने के लिए पहले ही धन मुहैया कराया है। इसके बाद राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत 2025 के लिए 110 million euros और 2026 के लिए 120 million euros आवंटित किए गए। इन दोनों कार्यक्रमों के दायरे में आने वाला संभावित दाखबागान क्षेत्र क्रमशः लगभग 27,000 और 30,000 हेक्टेयर है। हालांकि Roux ने कहा कि ये आंकड़े सैद्धांतिक हस्तक्षेप क्षमता दर्शाते हैं, न कि हटाए जा चुके दाखबागानों का क्षेत्रफल। उन्होंने यह भी कहा कि सितंबर 2023 से मई 2024 के बीच फ्रांस में लगभग 3.2 million hectoliters वाइन का आसवन किया गया, जिस पर करीब 200 million euros खर्च हुए।

सम्मेलन में इतालवी उत्पादकों ने आसवन या दाखबागान हटाने को पहली पसंद के रूप में पेश नहीं किया। Confagricoltura के राष्ट्रीय वाइन महासंघ के अध्यक्ष Christian Marchesini ने कहा कि पूरी आपूर्ति शृंखला एक प्रचार योजना, नए रोपण की अनुमति पर रोक और क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुरूप आपूर्ति प्रबंधन के उपायों की मांग कर रही है। उनके मुताबिक, असाधारण आसवन और दाखबागान हटाने का इस्तेमाल केवल वहीं होना चाहिए जहां यह अनिवार्य हो, और इससे निवेश तथा प्रचार के लिए उपलब्ध संसाधन कम नहीं होने चाहिए।

चर्चा में स्वास्थ्य को लेकर जारी बहस का भी जिक्र हुआ, जो वाइन की खपत को प्रभावित करती है। वाइन, भोजन और स्वास्थ्य पर शोध केंद्रित एक संस्थान के अध्यक्ष Attilio Giacosa ने सीमित मात्रा में सेवन और भूमध्यसागरीय आहार में वाइन की भूमिका पर महामारी-विज्ञान संबंधी अध्ययनों का हवाला दिया। उनकी टिप्पणी ऐसे समय आई, जब स्वास्थ्य अधिकारी शराब के सेवन से जुड़े जोखिमों को लेकर लगातार चेतावनी दे रहे हैं। उपभोक्ताओं की बदलती आदतों और जनस्वास्थ्य से जुड़े सख्त संदेशों के बीच यह तनाव वाइन उत्पादकों के कारोबारी परिदृश्य का हिस्सा बन गया है।

समापन चर्चा में उत्पादक Angelo Gaja ने कहा कि क्षेत्र को उत्पादन और मांग के बीच संतुलन बहाल करने की जरूरत है। कुछ सहयोगियों के साथ साझा किए गए आकलन के आधार पर उन्होंने मांग लगभग 35 million hectoliters बताई। उन्होंने संभावित अमेरिकी टैरिफ को लेकर अनिश्चितता का भी जिक्र किया और कहा कि इतालवी वाइन को बाजार में अपनी स्थिति और मजबूत करनी चाहिए।

पीडमोंट के कृषि पार्षद Paolo Bongioanni ने कहा कि क्षेत्रीय सरकार 30 नवंबर को Green Table की बैठक बुलाएगी और इसमें संरक्षण कंसोर्टियमों को भी शामिल करेगी। क्षेत्र Agrion और टचूरिन विश्वविद्यालय के साथ विकसित किए गए वाइन ऑब्जर्वेटरी के पहले नतीजों की दिसंबर में प्रतीक्षा कर रहा है। उत्पादन सीमित करने के उपायों पर फैसला करते समय उत्पादक और अधिकारी इन आंकड़ों का इस्तेमाल कर सकते हैं।